सबके आदर्श हैं संत फ्रांसिस जेवियर

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

एक्सआइएसएस ने शुक्रवार को अपने संरक्षक संत फ्रांसिस जेवियर का पर्व मनाया. युखरिस्तीय आराधना में फैकल्टी, स्टाफ और विद्यार्थी शामिल हुए. निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर ने कहा कि विद्यार्थी संत फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखें. संत फ्रांसिस जेवियर एक व्यक्ति, बुद्धिजीवी और 'विजनरी' के रूप में बी-स्कूलों और एक्सआइएसएस के लिए आदर्श हैं.

एक्सआइएसएस में भी हमारा लक्ष्य उनके 'विजन' पर खरा उतरना है. सही निर्णय लेने के लिए हमें खुद को भावनाओं से अलग रखना चाहिए. डॉ प्रदीप केरकेट्टा, डॉ अशोक ओहोल व फादर फ्रांसिस डेविड कुल्लू ने कहा कि संत फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए हमें सभी प्रयास करना चाहिए. इस दौरान डॉ प्रदीप केरकेट्टा, डॉ अशोक ओहोल एसजे और फादर डेविड फ्रांसिस डेविड कुल्लू एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया.

1542 में भारत आये थे संत फ्रांसिस जेवियर

संत फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आये और यहां उन्होंने लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया. उनका स्मृति शेष गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है.

Press - Prabhat Kharab

सेंट फ्रांसिस जेवियर की याद में मनाया फीस्ट डे

एक्सआईएसएस

रांची | प्रमुख संवाददाता

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर की याद में फीस्ट डे (पर्व) मनाया। संस्थान के शिक्षक, कर्मचारियों और छात्रों ने पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक परिश्रम किया। इस दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के निदेशक डॉ जोसेफ मारियानुस कुजूर ने किया।

सेंट फ्रांसिस के गुणों को आत्मसात करें

सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे के साथ डॉ अशोक ओहोल एसजे और फादर डेविड फ्रांसिस डेविड कुल्लू एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि हमें सेंट फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए।

उन्होंने छात्रों को सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने के लिए प्रेरित किया। कहा कि सेंट फ्रांसिस ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें एक बुद्धिजीवी और एक दूरदर्शी के रूप में माना जाता था और वह बी-स्कूलों और एक्सआईएसएस के लिए विशेष रूप से एक आदर्श भी हैं।

Press - Hindustan

FEAST OF ST. FRANCIS XAVIER CELEBRATED AT XISS

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, celebrated the feast of its patron St. Francis Xavier on Friday. Faculty, staff and students participated in the Holy Eucharistic Celebration to seek blessings of their patron, who during his short yet inspiring tenure on earth touched the lives of many. The mass was conducted by Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS, and in his tribute he wished students to aspire to be like St. Francis Xavier. He said, "St. Xavier as a person, an intellectual and as a visionary is an ideal for B-schools and for XISS also and we aim on living upto his vision. To make the right decisions we should detach ourselves from our emotions and try to live not only for ourselves but for others also. Also, one should choose values over fame & name.``

Press - Pioneer

Feast of St. Francis Xavier celebrated at XISS

RANCHI: Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, celebrated the feast of its patron St. Francis Xavier SJ on Friday. Faculty, staff and students participated in the Holy Eucharistic Celebration to seek blessings of their patron, who during his short yet inspiring tenure on earth touched the lives of many.

Widely known as the apostle patron of India, St. Francis Xavier came to India in the year 1542 to spread the Word of God and worked tirelessly for almost 10 years. His casket is entombed in Basilica of Bom Jesus, Goa.

The mass was conducted by Dr Joseph Marianus Kujur SJ, Director, XISS, and in his tribute he wished students to aspire to be like St. Francis Xavier. He said, "St. Xavier as a person, an intellectual and as a visionary is an ideal for B-schools and for XISS also and we aim on living upto his vision. To make the right decisions we should detach ourselves from our emotions and try to live not only for ourselves but for others also. Also, one should choose values over fame & name."

Dr Pradeep Kerketta SJ, Assistant Director, XISS along with Dr Ashok Ohol SJ and Fr David Francis David Kullu SJ led the congregation in prayer and reiterated that we should make all efforts to imbibe the qualities of St. Francis Xavier. The mass consisted of the first, second readings from the Bible and a short homily by Director, XISS who prayed for the well-being of entire XISS family. The programme concluded by the distribution of Holy Eucharist to the Catholic members present.

The vote of thanks was given by Dr Pradeep Kerketta SJ, Assistant Director, XISS who thanked the choir and everyone present for participating in the mass prayer. A cake cutting ceremony was organised by the XISS Family also on the occasion.

Press - Morning India

सही निर्णय लेने के लिए हमें अपनी भावनाओं से खुद को अलग करना होगा : डॉ जोसेफ मारियानुस कुजुर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे (पर्व) मनाया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में

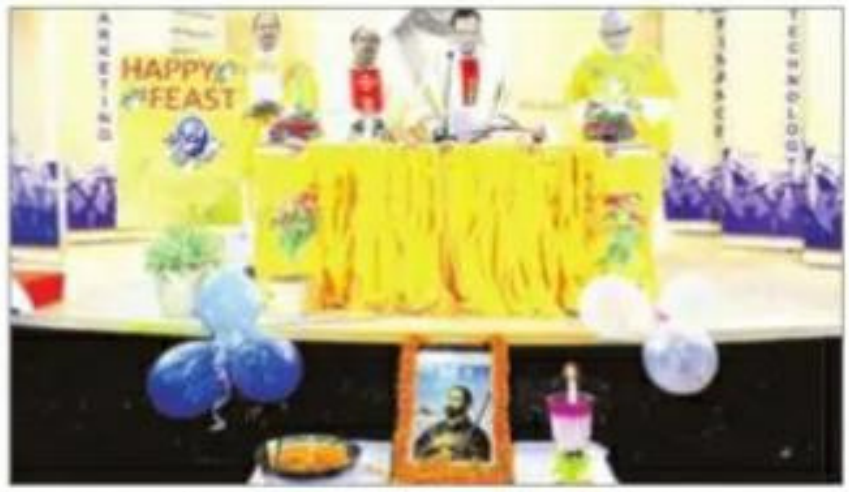

रखा हुआ है। कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसेफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी श्रद्धांजलि में छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहा, सेंट फ्रांसिस एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें एक बुद्धिजीवी और एक दूरदर्शी के रूप में माना जाता है और वे बी-स्कूलों और एक्सआईएसएस के लिए विशेष रूप से एक आदर्श भी है। एक्सआईएसएस में भी हमारा लक्ष्य उनकी उसकी दूरदृष्टि पर खरा उतरना है। उन्होंने आगे कहा कि सही निर्णय लेने के लिए हमें अपनी भावनाओं से खुद को अलग करना होगा। हम न केवल अपने लिए बल्कि दूसरों के लिए भी जिएं, ऐसी भावना रखनी होगी, यही हमारा निरन्तर प्रयास होना चाहिए। साथ ही, नाम और प्रसिद्धि से अधिक महत्व, जीवन के मूल्यों को देना चाहिए, यही सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के साथ डॉ अशोक ओहोल एसजे और फादर डेविड फ्रांसिस डेविड कुल्लू एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि हमें सेंट फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए।

Press - Rashtriya Naveen Mail

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे आयोजित

फ्रीडम फाइटर संवाददाता

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे (पर्व) मनाया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका

ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है। कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसेफ मारिबनुस कुजुर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी श्रद्धांजलि में छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहा, सेंट फ्रांसिस एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें एक बुद्धिजीवी और एक दूरदर्शी के रूप में माना जाता है और वे बी- स्कूलों और एक्सआईएसएस के लिए विशेष रूप से एक आदर्श भी है। एक्सआईएसएस में भी हमारा लक्ष्य उनकी उसकी दूरदृष्टि पर खरा उतरना है। उन्होंने आगे कहा कि सही निर्णय लेने के लिए हमें अपनी भावनाओं से खुद को अलग करना होगा। हम न केवल अपने लिए बल्कि दूसरों के लिए भी जिएं, ऐसी भावना रखनी होगी, यही हमारा निरन्तर प्रयास होना चाहिए। साथ ही, नाम और प्रसिद्धि से अधिक महत्व, जीवन के मूल्यों को देना चाहिए, यही सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

Press - Freedom Fighter

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे आयोजित

पंच संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे (पर्व) मनाया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है। कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसेफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक,

एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी श्रद्धांजलि में छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहा, ₹ सेंट फ्रांसिस एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें एक बुद्धिजीवी और एक दूरदर्शी के रूप में माना जाता है और वे बी-स्कूलों और एक्सआईएसएस के लिए विशेष रूप से एक आदर्श भी है। एक्सआईएसएस में भी हमारा लक्ष्य उनकी उसकी दूरदृष्टि पर खरा उतरना है। उन्होंने आगे कहा कि सही निर्णय लेने के लिए हमें अपनी भावनाओं से खुद को अलग करना होगा। हम न केवल अपने लिए बल्कि दूसरों के लिए भी जिएं, ऐसी भावना रखनी होगी, यही हमारा निरन्तर प्रयास होना चाहिए। साथ ही, नाम और प्रसिद्धि से अधिक महत्व, जीवन के मूल्यों को देना चाहिए, यही सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, सहायक निदेशक, एक्सआईएसएस के साथ डॉ अशोक ओहोल एसजे और फादर डेविड फ्रांसिस डेविड कुल्लू एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि हमें सेंट फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए।

Press - Punch

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे, पर्व आयोजित

दबंग हिन्द,रांची :जेवियर समाज सेवा संस्थान ;एक्सआईएसएस, रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे ,पर्व मनाया। संस्थान के फैकल्टीए कर्मचारियों और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है। कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसेफ मारियानुस कुजुर एसजेए निदेशकए एक्सआईएसएस द्वारा किया गयाए जिन्होंने अपनी श्रद्धांजलि में छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की। उन्होंने कहाए ष्सेंट फ्रांसिस एक ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें एक बुद्धिजीवी और एक दूरदर्शी के रूप में माना जाता है और वे बी.स्कूलों और एक्सआईएसएस के लिए विशेष रूप से एक आदर्श भी है। एक्सआईएसएस में भी हमारा लक्ष्य उनकी उसकी दूरदृष्टि पर खरा उतरना है। उन्होंने आगे कहा कि सही निर्णय लेने के लिए हमें अपनी भावनाओं से खुद को अलग करना होगा। हम न केवल अपने लिए बल्कि दूसरों के लिए भी जिएंए ऐसी भावना रखनी होगीए यही हमारा निरन्तर प्रयास होना चाहिए। साथ हीए नाम और प्रसिद्धि से अधिक महत्वए जीवन के मूल्यों को देना चाहिएए यही सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे को हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजेए सहायक निदेशकए एक्सआईएसएस के साथ डॉ अशोक ओहोल एसजे और फादर डेविड फ्रांसिस डेविड कुल्लू एसजे ने प्रार्थना का नेतृत्व किया और दोहराया कि हमें सेंट फ्रांसिस जेवियर के गुणों को आत्मसात करने के लिए सभी प्रयास करने चाहिए।कार्यक्रम में बाइबल से पहलीए दूसरी रीडिंग और निदेशकए एक्सआईएसएस द्वारा एक छोटा सा उपदेश शामिल थाए जिसमें उन्होंने पूरे एक्सआईएसएस परिवार की भलाई के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन उपस्थित कैथोलिक सदस्यों के बीच होली युकरिस्ट के वितरण के साथ हुआ। सहायक निदेशकए एक्सआईएसएस ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया जिसमें सामूहिक प्रार्थना में भाग लेने के लिए छात्रों के क्वायर ग्रुप और उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद दिया। इस मौके पर एक्सआईएसएस फैमिली की ओर से एक केक कटिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई।

Press - Dabang News

एक्सआईएसएस में सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे (पर्व) आयोजित

रांची (बिभा संवाददाता)। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची ने शुक्रवार को अपने संरक्षक सेंट फ्रांसिस जेवियर एसजे की याद में फीस्ट डे (पर्व) मनाया। संस्थान के फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों ने अपने संरक्षक का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र मिस्सा उत्सव में भाग लिया। सेंट फ्रांसिस जेवियर वर्ष 1542 में ईश्वर के वचन का प्रसार करने के लिए भारत आए और लगभग 10 वर्षों तक अथक परिश्रम किया और इस प्रेरक कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई लोगों के जीवन को छुआ। उनका ताबूत गोवा के बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस में रखा हुआ है। कार्यक्रम का संचालन डॉ जोसेफ मारियानुस कुजुर एसजे, निदेशक, एक्सआईएसएस द्वारा किया गया, जिन्होंने अपनी श्रद्धांजलि में छात्रों से सेंट फ्रांसिस जेवियर की तरह बनने की आकांक्षा रखने की कामना की।

Press - Bihan Bharat